IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

अंक 4
संस्करण - 02

फ़रवरी 2025

टेक की बात

एसआईआईसी महिलाएँ: दृष्टि और प्रभाव के साथ भारत की प्रगति को आगे बढ़ा रही हैं

गुरु
मंत्र

श्री रोनी बनर्जी

रोनी बनर्जी एक अनुभवी पेशेवर हैं, जिनके पास विविध विकास पहलों में 27 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है और वे अपने साथ विशेषज्ञता और अनुभव का खजाना लेकर आते हैं। हाल ही में उन्होंने "क्या स्टार्टअप के लिए रॉकेट ईंधन है?" नामक एक पुस्तक लिखी है, जिसे भारत में यूके एशियन बिजनेस काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रस्तुत और सार्वजनिक किया गया है।

स्तर वृद्धि: भारत का गेमिंग बूम स्टार्टअप क्रांति को कैसे बढ़ावा दे रहा है

भारत का गेमिंग उद्योग एक अभूतपूर्व उत्कर्ष के पथ पर अग्रसर है, जिससे यह गेमिंग समुदाय की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तथा राजस्व-वृद्धि की दृष्टि से तीव्रतम गति से उभरता हुआ बाजार बन गया है । इस प्रगति का मूलाधार डिजिटल स्वीकार्यता, मोबाइल प्रसार और फिनटेक नवाचार है, जो भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के साथ गहन सामंजस्य स्थापित कर रहे है।

उच्च स्मार्टफोन प्रसार, सुलभ डेटा और निर्बाध यूपीआई भुगतान व्यवस्था के कारण भारत आज गेम विकास, ईस्पोर्ट्स तथा इन-ऐप खरीददारी, विज्ञापन और सदस्यता जैसे मुद्रीकरण मॉडलों का प्रमुख केंद्र बन गया है। विशेषरूप से, विश्वभर में होने वाले प्रत्येक पांच गेम डाउनलोड में से एक भारत से होता है, जो इसकी अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करता है।

2019 से अबतक, गेमिंग क्षेत्र के निवेश में 380% की बड़ी वृद्धि हुई है। 2023 में 16 प्राइवेट इक्विटीऔर वेंचर कैपिटल सौदों के जरिए $335 मिलियन का निवेश हुआ। निवेशक अब गेमिंग को एक तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र मानने लगे है, जिससे उद्यमियों और डेवलपर्स के लिए नए मौके पैदा हो रहे है।

सरकारी समर्थन, जिसमें एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) से जुडी पहल, कर रियायतें और विनियामक स्पष्टता नवाचार को बढ़ावा दे रहे है। साथ ही, ऑनलाइन गेमिंग और ईस्पोर्ट्स के लिए जिम्मेदार मंत्रालय कानूनी ढांचे को आसान और व्यवस्थित बना रहे है ताकि उद्योग का विस्तार हो सके।

श्रेणी २ और श्रेणी ३ शहरों में गेमिंग के बढ़ते स्वीकृतिकरण ने देशज और सांस्कृतिक थीम वाले खेलों की मांग को प्रोत्साहन दिया है। स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में क्षेत्रीय सामग्री, हाइपर-कैजुअल प्रारूपों और मौलिक भारतीय बौद्धिक सम्पदा (आईपी) के साथ कदम रख रहे हैं। बढ़ते प्रतिभा-समूह और सरकार द्वारा संचालित कौशल-विकास पहलों ने भारत की स्थिति को एक वैश्विक गेमिंग महाशक्ति के रूप में और सुदृढ किया है।

अब गेमिंग स्टार्टअप्स के लिए सही समय

- ☑ युवाओं द्वारा प्रेरित प्रवल डिजिटल अंगीकरण और मांग
- ☑ अनुकूल नीतियों और वित्तपोषण के माध्यम से सरकारी समर्थन
- ☑ वेंचर कैपिटल (वीसी) और प्राइवेट इक्विटी (पीई) से बढ़ते निवेश
- ☑ उभरते व्यावसायिक मॉडल और आय सृजन के नए अवसर
- ☑ टियर (श्रेणी) II और III शहरों में गेमिंग विकास का विस्तार

सुदृढ नीतिगत समर्थन, निवेशकों की प्रबल विश्वासशीलता और उपभोक्ताओं की सक्रिय सहभागिता के साथ, भारत में गेमिंग स्टार्टअप्स असाधारण प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। यह कार्य आरम्भ करने का सर्वोत्तम समय है - नवाचार कीजिए, शुभारम्भ कीजिए और अपने विस्तार को नई उंच्चाईयों तक ले जाइए, ताकि भारत की गेमिंग क्रांति में अपनी उल्लेखनीय सफलता सुनिश्चित कर सके।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में जनवरी माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप्स शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पूरे महीने में संपन्न हुई शानदार गतिविधियों पर गहराई से नज़र डालें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05-06

इनोवेशन के अग्रदूत

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

अर्किन लैब्स

अर्किन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसकी स्थापना अभिषेक वेंकटेश्वरन और शेख खलील अलीशा बेगम ने की है, जो आधुनिक उद्योग की आवश्यकताओं को पूर्णतः संतुष्ट करने हेतु ड्रोन-आधारित समाधानों के डिजाइन और विकास में संलग्न है। यह कंपनी नवाचार को तकनीकी प्रवीणता के साथ समाहित करते हुए, विश्वसनीय एवं उच्च दक्षता संपन्न ड्रोन प्रौद्योगिकियों का निर्माण करती है।

बायोनिया टेक्नोलॉजीज

बायोनिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जिसकी स्थापना चंद्रशेखर उपाध्याय, हिना मौर्य, प्रियंका कुमारी और संगीता उपाध्याय द्वारा की गई है, जो सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और निर्माण संबंधी समाधान प्रदान करती है। यह कंपनी नवाचार के माध्यम से सामग्री विज्ञान को उन्नत करने हेतु समर्पित है और विविध औद्योगिक उपयोगों के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करने में संलग्न है।

18th जनवरी 25

एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर और टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने मेंटरशिप, व्यावसायिक सहयोग तथा नवाचार प्रेरित पहलों के माध्यम से उद्यमशीलता को सुदृढ करने हेतु एक विशिष्ट साझेदारी स्थापित की है। यह सहभागिता स्वतंत्र विचारधारा को प्रोत्साहित करने, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं नेटवर्किंग कार्यक्रमों का आयोजन करने, और स्टार्टअप्स को औद्योगिक और वित्तीय संसाधनों से जोड़ने का उद्देश्य रखती है। निवेश कार्यक्रमों और पारिस्थितिकी तंत्र विकास पहलों के सह-आयोजन द्वारा, यह साझेदारी स्टार्टअप्स के तीव्र विकास और व्यावसायिक मॉडल के सुदृढ निर्माण में सहायक होगी।

8th फ़रवरी 25

एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर ने पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र में स्टार्टअप परिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ करने हेतु सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट-सीआईपीईटी) के साथ एक महत्वपूर्ण सहभागिता स्थापित की है। इस सहयोग का उद्देश्य नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है, जिससे नवोदित स्टार्टअप्स को उन्नति और विकास के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया जा सके। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन सिपेट, इस क्षेत्र में भावी पीढ़ी के उद्यमियों को पोषित करने और उनके सतत विकास हेतु समर्पित है।

कार्यक्रम

HIGHLIGHTS

"इनोवेटिव पाथवे टू हार्नेस टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" पर आधारित एक कार्यशाला ने 16-35 वर्ष की आयु के युवा उद्यमियों को उत्पाद विकास और बाजार में प्रवेश के महत्वपूर्ण कौशलों से सुसज्जित किया। अनिल कुमार चौधरी, सीजीएम एवं संचालन प्रमुख, ईईएसएल के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में मूल्य प्रस्तावना, प्रोटोटाइप निर्माण और डिजाइन थिंकिंग पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें सततता और ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी गई। प्रतिभागियों ने व्यवहारिक विचार-मंथन और व्यावसायिक मॉडल निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे नवाचार और वाणिज्यीकरण के बीच की खाई को पाटने का प्रयास किया गया। इस कार्यशाला ने चपलता (एजिलिटी) और बाजार के सही समय के महत्व पर मूल्यवान अंतर्दृष्टियां प्रदान की, जिससे उपस्थित जन अपने विचारों को प्रभावशाली उद्यमों में परिवर्तित करने में सक्षम हो सके। यह कार्यशाला सतत उद्यमशीलता में नवाचार की भूमिका को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई।

जीनेसिस(GENESIS) क्षेत्रीय कार्यक्रम 18 जनवरी 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें मेइटी (MeitY) समर्थित स्टार्टअप्स को मूल्यवान अंतर्दृष्टि, रणनीतियां और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए गए। विशेषज्ञ श्री जैद खान के नेतृत्व में, यह आयोजन नवाचार, डिजाइन और उद्यमशीलता केंद्रित था, जिसका उद्देश्य स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और शोधकर्ताओं तथा संस्थापकों में उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करना था। सत्र में जीनेसिस फंडिंग, पात्रता मानदंड, आवेदन के लिए सर्वोत्तम तरीके और उपयोगकर्ता परीक्षण विधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने वित्तपोषण के अवसरों, प्रोटोटाइपिंग तकनीकों और मूल्यांकन रणनीतियों की गहन समझ प्राप्त की, जिससे उन्हें अपनी उद्यमशीलता यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद मिली।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने प्रो. दीपू फिलिप के नेतृत्व में महाकुंभ 2025 की एक व्यापक 360-डिग्री समीक्षा की, जिसमें पुलिस, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञों की एक टीम, जिसमें सेवानिवृत्त अधिकारी और आईआईटी कानपुर के छात्र शामिल थे, ने कुंभ प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा योजनाओं का विश्लेषण किया और जोखिमों का आकलन किया। उन्होंने "सुरक्षित कुंभ" सम्मेलन में अपने प्रारंभिक निष्कर्ष प्रस्तुत किए, जिसने बड़े पैमाने की घटनाओं के लिए डेटा-संचालित सुरक्षा उपायों पर चर्चा को बढ़ावा दिया और बहु-विषयक सहयोग में आईआईटी कानपुर की भूमिका को उजागर किया।

और पढ़ें

कार्यक्रम
की झलकियां

श्री अनुराग यादव, आईएएस, प्रमुख सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा स्थित एआईआईडीई (AIIDE) केंद्र का दौरा किया। यह केंद्र उत्तर प्रदेश सरकार और एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर के सहयोग से संचालित एक प्रेरणादायी पहल है। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने एआई-संचालित 15 स्टार्टअप्स के साथ संवाद किया, उनकी अभिनव प्रगति और प्रौद्योगिकी में क्रांतिकारी उपलब्धियों का अवलोकन किया। उनकी सहभागिता ने राज्य में एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और डीप-टेक उद्यमिता को सशक्त करने के प्रति सरकार की प्रबल प्रतिबद्धता को उजागर किया। श्री यादव का यह दौरा उत्तर प्रदेश को एआई और परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों का अग्रणी केंद्र बनने के संकल्प को सुदृढ करती है। उनके सुझाव और प्रेरणा एआईआईडीई के स्टार्टअप समुदाय के लिए एक उत्प्रेरक सिद्ध हुए है।

और पढ़ें

श्री जैद खान, एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर से सम्बद्ध, ने डॉ. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान फॉर दिव्यांगजन,कानपुर में एक गरिमामय संगोष्ठी का संचालन किया। यह विशिष्ट आयोजन ई-सेल एआईटीएच तथा एआईटीएच इनक्यूबेशन एवं स्टार्टअप केंद्र के सामूहिक तत्वाधान में द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों और स्टार्टअप्स के मध्य उद्यमशीलता की भावना को प्रज्वलित करना था, जिसमें प्रोटोटाइप निर्माण एवं व्यापारिक विचारों की परिकल्पना में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। श्री खान ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की महत्वपूर्ण योजनाओं पर टाइड 2.0 तथा जेनेसिस पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने इस योजनाओ की भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपरिहार्य भूमिका का अवलोकन किया तथा युवाओं में उद्यमशील मानसिकता को सुदृढ करने की आवश्यकताओं पर बल दिया।

और पढ़ें

"नेविगेटिंग दी रेगुलेटरी लैंडस्केप इन दी मेडटेक सेक्टर" जो एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर और ब्लॉक चेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई, जो सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में नियामकीय ढांचों और उभरते रुझानों पर विशेषज्ञ चर्चाओं का आयोजन हुआ। सत्रों में वर्ग ए और बी चिकित्सा उपकरणों, डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों, नैदानिक सत्यापन और सॉफ्टवेयर एसए मेडिकल डिवाइस (SaMD) से सम्बंधित विषयों का गहन विवेचन किया गया। उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तित्वों जैसे श्री. दिनेश तिवारी, डॉ. राम सेवक शर्मा और डॉ. उरूसा वारसी ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। एक व्यावहारिक सत्र में लाइसेंसिंग दस्तावेजों पर कार्यशाला ने प्रतिभागियों के ज्ञान में अभिवृद्धि की। एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर के सीओओ, श्री पियूष मिश्रा, ने मेडटेक नवाचार में नियामकीय ज्ञान की महत्ता पर बल देते हुए इस कार्यक्रम को स्टार्टअप्स के लिए इस विकसित हो रहे क्षेत्र में एक प्रमुख कदम के रूप में चिन्हित किया। यह आयोजन भारत के मेडटेक क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

और पढ़ें

सफलता
की कहानियां

ड्रीम एयरोस्पेस

ने इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स (IPV) के नेतृत्व में 3 करोड़ की प्री-सीड फंडिंग राउंड में हासिल की है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने उनके एटीओएम थ्रस्टर के विकास को गति प्रदान की, उनकी अभूतपूर्व प्रणोदन प्रौद्योगिकी की पुष्टि की,और इन-हाउस उच्च-ऊंचाई परीक्षण सुविधा की स्थापना को सक्षम बनाया। स्वदेशी तकनीक का उपयोग करते हुए, ड्रीम एयरोस्पेस ने उपग्रह प्रणोदन में क्रांति ला दी है, जो कि विस्तारणीय और आर्थिक समाधान प्रदान करता है। यह नवीन तकनीक ईंधन प्रबंधन में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दीर्घकालिक और पर्यावरण-अनुकूल प्रणालियों को केंद्र में रखती है। "मेक इन इंडिया" और "आत्मानिरभर भारत" के उद्देश्यों के अनुरूप, यह स्टार्टअप व्यावसायिक और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभरा है। ड्रीम एयरोस्पेस कि यह सफलता भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नई दिशा और स्वदेशी तकनीकी सक्षमता का प्रतीक है।

और पढ़ें

वीयू-डायनेमिक्स, साइथैक सॉल्यूशंस और स्कैनक्स्ट

ने विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक समागम प्रयागराज महाकुंभ 2025 में प्रमुख चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हुए अपनी अद्वितीय भूमिका का निर्वहन किया। इन स्टार्टअप्स ने भीड़ प्रबंधन, हवाई निगरानी, पर्यावरणीय निगरानी तथा जनसुरक्षा के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर नवाचारी समाधानों का ऐसा प्रदर्शन किया, जो वास्तविक जीवन में व्यापक प्रभाव उत्पन्न करता है। इनके इन विशिष्ट योगदानों में स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) आईआईटी कानपुर की राष्ट्र सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की भावना स्पष्टतः परिलक्षित होती है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, एसआईआईसी अपने नवाचार आधारित समाजिक कल्याण एवं सुरक्षा के व्यापक मिशन को सुदृढ़ और साकार करता है।

और पढ़ें

एपेरो एनर्जी

प्रतिष्ठित अविन्या '25-द एनर्जी स्टार्टअप चैलेंज में शीर्ष पांच विजेताओं में स्थान हासिल किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति एपेरो एनर्जी के समर्पण को उजागर करती है। अत्याधुनिक स्वच्छ ऊर्जा समाधान विकसित करके, स्टार्टअप ने एक हरित और अधिक कुशल भविष्य के निर्माण में अपनी भूमिका को सुदृढ़ किया। यह सम्मान ऊर्जा परिदृश्य में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और पुष्ट करता है, जो भारत की स्थायी प्रगति और उद्योग में आत्मनिर्भर नवाचार के संकल्प के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

और पढ़ें

आरएफ नैनोकंपोजिट्स

ने भारत के रक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए स्टील्थ और ईएमआई शील्डिंग कम्पोजिट सामग्री के विकास हेतु 6 करोड़ रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक प्राप्त की हैं। यह उपलब्धि इस स्टार्टअप की परिवर्तनकारी तकनीक और भारत की रणनीतिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने की उसकी संभावनाओं में निवेशकों के गहन विश्वास को प्रतिबिंबित करती है।

और पढ़ें

एलसीबी फर्टिलाइजर्स

सूक्ष्मजीव-आधारित जैविक उर्वरकों के माध्यम से सतत कृषि को नया आयाम दे रहा है। यह पहल किसानों को सशक्त बनाने के साथ मृदा स्वास्थ्य में सुधार और फसल उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी का कारण बन रही है। आरएसवीसी मंडौरा और आरएसवीसी-एलसीबी संयंत्र इंदौर में अपनी प्रगतिशील तकनीकों के माध्यम से,एलसीबी फर्टिलाइजर्स कृषि क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन की दिशा में अग्रसर है। आरएसवीसी मंडौरा के उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने इस नवाचार की सराहना करते हुए इसे रासायनिक उर्वरकों का प्रभावी विकल्प और पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी कृषि को प्रोत्साहन देने वाली पहल करार दिया।

और पढ़ें

मूरक्षक बायोसाइंसेज

ने हाल ही में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर प्रतिष्ठित सम्मान अर्जित किए है। सीआईआई, टाटा सोशल एंटरप्राइज चैलेंज, गिटेक्स ग्लोबल, मेइटी, आईआईएम विशाखापत्तनम, लो कार्बन अर्थ एक्सीलरेटर, हेडस्टार्ट और बाईरैक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा मान्यता प्राप्त, इस स्टार्टअप की उपलब्धियां अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। इन सम्मानों ने मूरक्षक बायोसाइंसेज के नवाचार,समर्पण और सतत विकास के प्रति उनके योगदान को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।

और पढ़ें

चिमरटेक प्राइवेट लिमिटेड

ने विजय टेलीविजन के स्टार्टअप सिंगम पर सफलतापूर्वक 1.25 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है, जो उभरते स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग और मेंटरशिप हासिल करने के लिए एक प्रमुख मंच है। यह स्टार्टअप दुग्ध उत्पादन स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार के साथ- साथ सतत कृषि नवाचार को बढ़ावा देकर, ग्रामीण कृषक समुदायों को सशक्त बना रहा है और आजीविका को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

और पढ़ें

एनसेक्ट फार्म

ने आईआईटी बॉम्बे की प्रमुख बिजनेस मॉडल प्रतियोगिता यूरेका! 2024 में 2 लाख रुपये का पुरस्कार राशि प्राप्त की है। सामाजिक क्षेत्र श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करते हुए, एनसेक्ट फार्म ने ब्लैक सोल्जर फ्लाई (बीएसएफ) की खेती के माध्यम से सतत अपशिष्ट प्रबंधन और वैकल्पिक प्रोटीन उत्पादन के अपने नवाचारी मॉडल से एशिया की सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक प्रतियोगिताओं में से एक में उच्चस्तरीय सम्मान प्राप्त हुआ।

और पढ़ें

डेवनुलक्स टेक्नोलॉजीज

को अमेरिका दूतावास, नई दिल्ली द्वारा संचालित प्रतिष्ठित स्टार्टअप नेक्सस कोहॉर्ट #20 के लिए चयनित किया गया है, जो भारत के प्रमुख स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने वाले विशिष्ट कार्यक्रम है। यह कोहॉर्ट 3 फरवरी से 4 अप्रैल, 2025 तक आयोजित होगा, जिसमें भारतीय और अमेरिकी विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण व्यापार रणनीतियों को परिष्कृत करने, लक्ष्य बाजारों को परिभाषित करने, और वाणिज्यीकरण में तीव्रता लाने पर केंद्रित होगा। इस संस्करण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के स्टार्टअप्स पर प्रभाव और उद्यमियों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

और पढ़ें

काजल श्रीवास्तव

इस संस्करण के इनोवेटर से बात में, हम प्रस्तुत कर रहे है "नाडी पल्स", एक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी स्टार्टअप जिसे काजल श्रीवास्तव द्वारा स्थापित किया है। यह स्टार्टअप पारंपरिक आयुर्वेदिक नाड़ी परीक्षण को डिजिटाइज कर रहा है। प्रारंभिक परीक्षणों में 96% को प्रभावशाली सटीकता प्रदर्शित करते हुए, यह नवाचार भविष्यसूचक स्वास्थ्य देखभाल के परिदृश्य को परिवर्तित करने की अपार संभावना रखता है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संसथान (एआईआईए), दिल्ली के तत्वाधान में, तथा आईआईटी कानपुर के एसआईआईसी के संरक्षण में, नाडी पल्स को श्रेणी ए चिकित्सा उपकरण प्रोटोकॉल के अनुरूप कठोर परीक्षणों एवं विधिपूर्वक प्रमाणन प्रक्रियाओं के माध्यम से सुविचारित मान्यता प्राणदान करने हेतु परिश्रमी प्रयास किए जा रहे है। प्रारंभिक पहचान और समग्रता पर जोर देकर केवल निदान पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय यह तकनीक एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है। इस साक्षात्कार में, संस्थापक नवाचार की प्रगतिशील यात्रा, प्रमाणीकरण प्रक्रिया की बहुस्तरीय एवं दुरूह चुनौतियों तथा समग्र स्वास्थ्य समाधान के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी सुदीर्ध एवं दूरदर्शी दृष्टि का विशद विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

ऋषभ पांडे (आरपी): एसआईआईसी में गिनी चुनी महिला संस्थापकों में से एक होने के नाते, आपने अपनी यात्रा में किन किन चुनौतियों का सामना किया, और एसआईआईसी में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए हम किस प्रकार प्रयासरत हो सकते हैं?

काजल श्रीवास्तव (केएस): मुझे अपने परिवार का अटूट समर्थन प्राप्त होने का सौभाग्य मिला है। मेरे पिता, जो आयुर्वेदाचार्य है, मेरे स्टार्टअप की प्रेरणा स्रोत रहे। बाल्यकाल में, एक बार मैंने उनसे यह प्रश्न किया कि गहन नाडी ज्ञान के बावजूद वे आधुनिक नैदानिक उपकरणों का उपयोग क्यों करते है। उन्होंनेउत्तेर दिया कि आयुर्वेद में ऐसा साक्ष्यात्मक एवं दृष्टिगोचर आधार का आभाव है, जो रोगी के लिए प्रत्यक्ष हो, उनके विश्वास को दृढ़ता प्रदान कर सकें। यह विचार मेरे मन में गहराई तक समा गया और वर्षों बाद मैंने इसे अपने बी.टेक के अंतिम वर्ष की परियोजना के रूप में कार्यान्वित किया, जो अंततः मेरे स्टार्टअप का स्वरुप ले सका। हर उद्यमशील यात्रा की भांति, मेरी यात्रा भी चुनौतियों से रहित नहीं रही, किन्तु मैंने कभी अकेलापन अनुभव नहीं किया। यहाँ तक कि एक वर्ष पूर्व विवाह के पश्चात भी, मुझे परिवार और अपनों का उतना हे सुदृंढ एवं प्रेरणादायक सहयोग प्राप्त हुआ,जो मुझे अपने कार्य के माध्यम से समाज पर सकारात्मक और सार्थक प्रभाव स्थापित करने हेतु निरंतर प्रेरित करता है।

आरपी: चिकित्सा उत्पाद विकसित करना चुनौतीपूर्ण होता है और इसके लिए मजबूत समर्थन की आवश्यकता होती है। आपके प्रमुख समर्थक कौन-कौन रहे हैं?

केएस: मेरी यात्रा जेएल बजाज संस्थान में बीटेक के अंतिम वर्ष की परियोजना के रूप में आरम्भ हुई, जहाँ मेरे प्रोफेसरों और विभाग ने अद्वितीय समर्थन प्रदान किया। पारंपरिक नौकरी की राह पकड़ने के बजाय, मैंने अपने विचार को विभागाध्यक्ष और निदेशक के समक्ष प्रस्तुत किया, जिन्होंने अनुदान प्राप्त करने में मेरी सहायता की। मैंने आईक्रिएट(ICREATE) में अवसरों को तलाशा, नाड़ी का अध्ययन किया, और बाद में आईकेपी (IKP) के माध्यम से बीआईजी अनुदान प्राप्त किया। एसआईआईसी मेरे प्रमुख समर्थकों में से रहा है, जिन्होंने स्थान, मार्गदर्शन, फंडिंग समर्थन, पेटेंट विधिक प्रक्रियाओं पर परामर्श देकर विकास प्रक्रिया को सुगम बनाया। मेरी निवेशक और उनकी टीम ने अत्यधिक सहयोग दिया है, और इस विचार को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका प्रोत्साहन और इस संकल्पना में उनका अटूट विश्वास अमूल्य सिद्ध हुआ है।

आरपी: हमें अपने उत्पाद और इसके लिए आवश्यक प्रमाणपत्रों के बारे में बताएं। क्या आपने प्रमाणन प्रक्रिया शुरू कर दी है?

केएस: हमारा उत्पाद प्राचीन आयुर्वेदिक पद्धति नाड़ी परीक्षण को डिजिटल स्वरुप में परिवर्तित करता है, जिसमें चिकित्सक तीन उंगलियों के माध्यम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का अद्वितीय प्रमाणिकता के साथ आकलन करते थे। इस विलुप्त कला को हमने एक डिजिटल माध्यम से पुनर्जीवित किया है, और प्रारंभिक परीक्षणों में हमने 96% सटीकता प्राप्त की है। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) हमारे मार्गदर्शक है, जो सुनिश्चित करते है कि हम सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। वर्तमान में बाजार में कोई अन्य खिलाड़ी इस प्रकार के परीक्षण, विशेषकर तृतीय पक्ष सत्यापन के साथ नहीं कर सका है। एक श्रेणी ए उपकरण के रूप में, हमारा उत्पाद स्वास्थ्य स्कोर, सुझाव और चेतावनियां प्रदान करता हैं। एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर और एआईआईए हमारी प्रमाणन प्रक्रिया में सहयोग और मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आरपी: जैसे आपका उत्पाद व्यावसायीकरण के चरण में प्रवेश कर रहा है, इस प्रक्रिया में आपको किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हैं, और निवेशकों के साथ आपके संवाद की प्रगति किस दिशा में हो रही है?

केएस: हमारा उत्पाद, आयुर्वेदिक नाड़ी परीक्षण का डिजिटल रूपांतर, डॉ. वसंत लाड के निर्देशन में प्रारंभिक सत्यापन के दौरान 96% सटीकता के साथ सफल रहा। फीडबैक के आधार पर इसे परिष्कृत किया गया है और वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में व्यापक स्तर पर इसका सत्यापन हो रहा है। हमारी प्रमुख चुनौतियों में नियामकीय अनुमोदन, डेटा मानकीकरण और नैदानिक स्वीकृति करना शामिल है। विशेष रूप से डॉ. आरती गुप्ता, (फिक्की फ्लो) का निवेशक समर्थन हमारी प्रगति को तीव्र गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारा प्रारंभिक बाजार लक्ष्य-आयुर्वेद चिकित्सक, कल्याण केंद्र और पोषण विशेषज्ञ हैं। बढ़ती रुचि के साथ, हमारा उद्देश्य उत्पादन को व्यापक स्तर पर बढ़ाने, एआई-संचालित विश्लेषण को उन्नत करने और आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए इसे अपनाने की परिधि का विस्तार करने के लिए धन संग्रह करना हैं।

संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

उद्योग

अंतर्राष्ट्रीय

सेवा

क्लीनिकल

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE
IIT KANPUR

अंक - 04 | संस्करण - 02| फ़रवरी 2025

फ़रवरी2025

टेककी बात

STARTUP
INCUBATION AND
INNOVATION
CENTRE
IIT KANPUR

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION
IIT KANPUR

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक
सी, सेक्टर 62, नोएडा